लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आखिरी दिन रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ देश-विदेश की 75 महिला उद्यमी। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन, सीएम योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद व ब्रजेश पाठक, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी और औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सिंह भी मौजूद रहे। - संवाद

यूपी में राजनीतिक स्थिरता, बनेगा उत्तम निवेश प्रदेश

राष्ट्रपति बोलीं- भारत का ग्रोथ इंजन बनने में राज्य सक्षम है और तैयार भी

- यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का किया समापन
- कहा- सीएम योगी की पूरे विश्व में हो रही प्रशंसा

निवेश का महाकुंभ
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि इस समय उत्तर प्रदेश में निर्णय लेने वाली स्थिर सरकार है। राजनीतिक परिवेश की स्थिरता और प्रशासन की निरंतरता, निवेशकों के लिए बहुत ही मददगार साबित होगी। यूपी भारत का ग्रोथ इंजन बनने के लिए सक्षम भी है और तैयार भी। उन्होंने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट उत्तर प्रदेश को उत्तम निवेश प्रदेश बनाएगी। इस निवेश कुंभ से प्रदेश को विश्वव्यापी ख्याति मिलेगी।

राष्ट्रपति ने रविवार शाम यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट -2023 का समापन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि समावेशी विकास की सोच के साथ आयोजित इस समिट के सार्थक परिणाम आएंगे। यूपी न केवल आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। यूपी की धरती अन्नदाता की धरती है। खाद्यान्न, गन्ना, आलू और दूध के उत्पादन में यह आगे है। यहां कृषि आधारित उद्यमिता विकास की अनेक संभावनाएं हैं। यूपी सरकार की नीतियों से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा।

खुद को किसान परिवार से बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कृषि व कृषि आधारित उद्योगों के विकास के लिए किए जा रहे मुख्यमंत्री योगी व उनकी टीम के प्रयास सराहनीय हैं। वर्ष-2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और यूपी सरकार भी मिलेट्स (मोटे अनाज) की मांग व आपूर्ति श्रृंखला को प्रोत्साहित कर रही है। यहां निवेश के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा रहा है। यूपी में 95 लाख एमएसएमई इकाइयां हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। आर्थिक विकास में इनकी प्रमुख भूमिका है।

देश की अर्थव्यवस्था में 5वां हिस्सा यूपी से होगा

राष्ट्रपति ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में यूपी ने 10 खरब डॉलर के योगदान का संकल्प लिया है। यानी, देश की कुल अर्थव्यवस्था का 5वां हिस्सा यूपी से पूरा होगा। इस संकल्प के सिद्ध होने से प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर अभियान को भी बल मिलेगा।

- उन्होंने कहा कि 2019 में प्रयागराज कुंभ के शानदार आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी की जिस तरह पूरे विश्व में प्रशंसा हुई, उनकी कामना है कि इस समिट को भी विश्वव्यापी ख्याति मिले।
- मुर्मू ने कहा कि प्रदेश में ढांचागत सुविधाओं के विकास पर काफी काम हुआ है। सड़क यातायात, हाईवे व एक्सप्रेसवे में निवेश से आर्थिक विकास तेज होगा।
- यह जानकर खुशी है कि देश में 65 प्रतिशत मोबाइल उपकरण अकेले यूपी में बनते हैं। परंपरागत उद्यम को बढ़ावा देने वाली ओडीओपी भी काफी सफल है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भगवान गणेश की प्रतिमा भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। -संवाद

ग्रीन एनर्जी व स्वरोजगार में आगे होगा यूपी

राष्ट्रपति ने कहा कि यूपी का डिफेंस कॉरिडोर इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता देगा। उद्यम, रोजगार व विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश में पर्यावरण संतुलन के भी अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर भी विकसित कर रहा है। ये प्रयास देश के ग्रीन एनर्जी लक्ष्य को प्राप्त करने में काफी सहायक सिद्ध होंगे। स्टार्टअप को लेकर प्रदेश में काफी महत्वाकांक्षी प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश का स्वरोजगार में भी अग्रणी स्थान होगा।

33.50

लाख करोड़ के निवेश करार हुए

93,82,607

को मिलेगा रोजगार

19058 करार

- 1.90 लाख करोड़ रुपये का सबसे बड़ा करार हांगकांग की कंपनी तौस्वे इंटरनेशनल से।

10,000

से अधिक निवेशक और उद्यमी शामिल हुए।

- देश के 100 स्टार्टअप ने प्रदर्शनी में अपनी तकनीक और उत्पाद का प्रदर्शन किया।
- नीदरलैंड, जापान, यूएई, दक्षिण कोरिया, इटली, सिंगापुर, यूके, मॉरीशस, डेनमार्क व ऑस्ट्रेलिया पार्टनर कंट्री बने।
- 25 हजार लोग तीन दिन में समिट में शामिल हुए।

यूपी की बनी वैश्विक पहचान निवेश का सबसे सुरक्षित स्थान

सीएम बोले- अब तक निवेश का मतलब था सिर्फ एनसीआर, अब सभी जिलों में लगेंगे उद्यम

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। समिट के समापन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एमओयू के जरिये प्रदेश में निवेश प्रस्तावों का आंकड़ा 33.50 लाख करोड़ को पार कर गया है। इससे प्रदेश के 93 लाख नौजवानों को रोजगार व स्वरोजगार मिलेगा।

उन्होंने कहा कि यह समारोह का समापन नहीं है, बल्कि इसके जरिए औद्योगिक विकास की दृष्टि से नए भारत में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले नए यूपी को वैश्विक समुदाय के सामने रखा जाएगा। अब तक यूपी में निवेश का मतलब केवल एनसीआर होता था। लेकिन यह पहली बार है जब निवेश सभी 75 जिलों तक पहुंचा है।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी निवेश का सुरक्षित गंतव्य होगा। यहां आया व आने वाला हर निवेश प्रदेश के विकास में सहायक तो होगा ही, स्वयं निवेशकों के लिए भी काफी फलदायी होगा। समिट के जरिए प्रदेश को दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। कहा कि प्रदेश के पिछड़े जिलों और कमजोर क्षेत्रों में भी बड़ा निवेश होने जा रहा है। पूर्वांचल के लिए 9.54 लाख करोड़ और बुंदेलखंड में 4.27 लाख करोड़ रुपये के करार हुए हैं। इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए मंत्री समूह, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और उनकी सहयोगी टीम व्यवस्थित रूप से काम करेगी।

समिट बनी निवेश का महाकुंभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीआईएस में 40 देशों के उद्यमी और निवेशक शामिल हुए। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 30 सत्र आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 170 से अधिक निजी और सार्वजनिक कंपनियों, विभिन्न राज्य सरकारों के 40 से अधिक प्राधिकरणों, सौ स्टार्टअप और एमएसएमई ने अपनी सेवाओं और उत्पादों का प्रदर्शन किया है। समिट में 12 देशों और 17 कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली अंतरराष्ट्रीय उद्योग संघ का भी अनुभव मिला।

>> विशेष कवरेज भी पढ़ें